an>

Title: Need to take suitable measures to prevent the damage to crops and disruptions in traffic due to intrusion of Nilgais in Chandauli Parliamentary Constituency, Uttar Pradesh.

डॉ. महेन्द्र नाथ पाण्डेय (चन्दौली) ः उत्तर प्रदेश के मेरे संसदीय क्षेत्र चन्दौली में वाराणसी एवं चन्दौली के अनेक गाँवों में नीलगायों (घडरोज) की बहुतायत से किसान परेशान हैं। कमोवेश यही हाल सम्पूर्ण पूर्वांचल के जिलों का तथा पूर्वी उत्तर प्रदेश सहित देश के अन्य भू-भागों का है। नीलगायों के झुण्ड के झुण्ड खड़ी फसलों को पूरी तरह नष्ट कर देते हैं और इनके चलते सब्जी की खेती तो बर्बाद हो ही जाती है दलहन और तिलहन की फसलें तो इन इलाकों में पूरी तरह समाप्त हो गयी हैं। अब तो ये गेहूँ की फसलों को भी नुकसान पहुचा रहे हैं। वैसे ही कृषि क्षेत्र में किसान परेशान हैं, ऊपर से कर्ज लेकर खेती करता है और नीलगायों के आतंक से फसलों के बर्बाद हो जाने के चलते पैदावार न होने की परिस्थिति के चलते कर्ज की भरपाई न कर पाने की वजह से वह बर्बाद हो रहा है। वहीं दलहन व तिलहन की फसल नष्ट होने से आर्थिक नुकसान भी देश को हो रहा है क्योंकि इनकी कमी के चलते हमें आयात करना पड़ता है। पहले तो नीलगाय रात में फसलों का नुकसान करते थे,अब इनके झुण्ड इतने बढ़ गए हैं कि दिन-रात में किसी भी समय फसलों को बर्बाद कर रहे हैं, साथ ही साथ में इनके झुण्ड के झुण्ड भी तेजी से दौड़ते हुए सड़कों को क्रॉस करते समय प्रायः दुर्घटनाओं का कारण बनते हैं, जिससे भारी जन-धन की क्षति होती है।

अतः मैं सरकार से माँग करता हूं कि केन्द्र व राज्य के समन्वय से दो स्तर पर योजनाएं बनायी जायें। 1- ट्रेंकुलाइजर का प्रयोग करके इनकी प्रजनन क्षमता को कम किया जाए जिससे इनकी संख्या घट सके। 2- एक निश्चित धनराशि सुनिश्चित कर केन्द्र व राज्य समन्वय करते हुए वन विभाग के साथ योजना बनाकर इन्हें आबादी वाले इलाकों से उठाकर घने जंगलों में छोड़ा जाये जिससे किसानों को राहत मिल सके।

मैं पुनः बल दे रहा हूँ कि यह राष्ट्रव्यापी समस्या है। इस समस्या पर विशेष कार्य योजना बनाये जाने की आवश्यकता है।